वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 277 | रविवार 4 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विकसित भारत के निर्माण में चिकित्सक निभाएं अपनी भूमिका

केन्द्र सरकार के प्रयासों से देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या हुई दोगुना, स्वास्थ्य सूचकांकों में राजस्थान को अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर. शाबाश इंडिया

केन्द्रीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि सभी चिकित्सकों को अपने सामर्थ्य तथा कर्तव्यपरायणता के साथ काम कर वर्ष 2047 तक देश को विकसित बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। मांडविया शनिवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की उपस्थिति में जोधपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के चौथे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले चिकित्सकों को बधाई देते हुए कहा कि हमारे देश में चिकित्सक को कमर्शियल प्रोफेशन ना मानकर सेवा का दर्जा दिया जाता है ऐसे में सभी चिकित्सक मरीज की सेवा को सर्वोच्च मानकर अपना कर्तव्य निभाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का मानना है कि अगर 140 करोड़ भारतीय एक संकल्प के साथ कार्य करेंगे तो देश बहुत आगे बढ़ जाएगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सभी स्वास्थ्य सूचकांकों में राज्य को देश में अग्रणी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तथा सरकार द्वारा संकल्प पत्र में शामिल चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से जुड़े सभी बिन्दुओं को सौ प्रतिशत अमल में लाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन से जुड़े कार्य को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत केन्द्र सरकार ने 120 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की है।

देश में 834 लोगों की आबादी पर एक डॉक्टर उपलब्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते एक दशक के दौरान यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत चिकित्सा क्षेत्र के मानकों में बेहतर स्थिति में आ गया है। देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 381 से बढ़कर 706 हो गई है तथा एमबीबीएस सीटों की संख्या 54 हजार 348 से बढ़कर एक लाख 9 हजार से ज्यादा हो गई है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के अथक प्रयासों से वर्तमान में देश में 834 लोगों की आबादी पर एक डॉक्टर उपलब्ध है जिससे देश को पहले से कहीं ज्यादा चिकित्सक प्रतिवर्ष मिल रहे है।

अंगदान की ऑनलाइन रजिस्ट्री में प्रदेश पहले स्थान पर

शर्मा ने राज्य में चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश में अंगदान की ऑनलाइन रजिस्ट्री में राजस्थान पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि राज्य में 63 लाख लोगों के आयुष्मान भारत कार्ड की ईकेवाईसी हुई है तथा 9 हजार 947 स्वास्थ्य केन्द्रों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है। ये आरोग्य मंदिर बेहतर उपचार के साथ-साथ प्रिवेंटिव एवं प्रमोटिव हैल्थ सर्विस भी उपलब्ध करवाएंगे। इस अवसर पर केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश स्वास्थ्य सूचकांकों में वृद्धि कर रहा है तथा अब चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जोधपुर एम्स में डीमार्ट के संस्थापक राधाकृष्ण दमानी द्वारा 100 करोड रुपए के सामाजिक उत्तरदायित्व अंशदान सहमति दी गई है जो हम सभी के लिए हर्ष का विषय है। इस दौरान एमबीबीएस एवं बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र- छात्राओं को पदक एवं उपाधियां प्रदान की गई।

नर सेवा नारायण सेवा

शर्मा ने डिग्री प्राप्त करने पर सभी चिकित्सकों को बधाई देते हुए कहा कि आपका हर कार्य सेवा माना जाता है तथा चिकित्सक अपने मरीज के लिए 24 घंटे उपलब्ध होते हैं जो सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने कहा कि गांव-ढाणी में जब चिकित्सक जाता है तो उसे भगवान की दृष्टि से देखा जाता है ऐसे में सभी चिकित्सकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभाकर उनका इलाज करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि मूलभूत चिकित्सा सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा तथा आमजन को सस्ती एवं बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। इससे पहले केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री तथा मुख्यमंत्री द्वारा जोधपुर एम्स सहित देश के विभिन्न एम्स और राजस्थान में स्वास्थ्य परियोजनाओं एवं सुविधाओं का शिलान्यास, उद्घाटन एवं लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग शुभ्रा सिंह, एम्स जोधपुर के अध्यक्ष डॉक्टर एस. एस. अग्रवाल, सहित अधिकारी, चिकित्सकगण तथा छात्र- छात्राएं मौजूद थे।

आचार्य सौरभ सागर महाराज का जयपुर से दिल्ली की ओर हुआ मंगल विहार

रविवार को होगा कल्याण मंदिर पूजा विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया। गत 9 माह से जयपुर में प्रवासरत प्रसिद्ध दिगम्बर जैन संत संस्कृति प्रणेता आचार्य सौरभ सागर महाराज का जयपुर से दिल्ली की ओर मंगल विहार हो गया। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने भाव विह्वल होकर अपने गुरु को भीगे नैत्रों से विदाई दी। राजस्थान जैन सभा के मंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि आचार्य श्री का दिल्ली रोड पर दोपहर 2.30 रामगढ़ मोड़ से आमेर के लिए मंगल विहार हुआ। आचार्य श्री पुरानी चुंगी रामगढ़ मोड होते हुए जलमहल के सामने बख्शी फार्म हाऊस पहुचे जहां जयपुर के प्रसिद्ध बख्शी परिवार ने आचार्य श्री की मंगल अगवानी करते हुए पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की । इस मौके पर श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के मानद् मंत्री सुनील बख्शी, भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष सुनील कोठारी, राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन,प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, राजस्थान जैन सभा के महामंत्री मनीष बैद, युवा समाजसेवी गजेन्द्र बडजात्या आदि ने आशीर्वाद प्राप्त किया। आसपास का वातावरण जयकारों से गुंजायमान हो उठा। आचार्य श्री का बख्शी फार्म से विहार होकर आमेर के श्री संकट हरण पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में जयकारों के बीच मंगल प्रवेश हुआ। मंदिर कमेटी द्वारा पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की गई । सायंकाल गुरु भक्ति एवं आरती के आयोजन किये गये। विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक रविवार, 4 फरवरी को आचार्य श्री के सानिध्य में प्रातः 7 बजे से साजों के साथ श्री 1008 कल्याण मंदिर पूजा विधान होगा।

आचार्य श्री सौरभ सागर महाराज से आमेर में भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जम्बू प्रसाद जैन ने भी आशीर्वाद प्राप्त किया

महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा निशुल्क नेत्र एवं मेडिकल जांच शिविर का CONCOR, कनकपूरा में हुआ सफल आयोजन

जेनेरिक दवाइयां एवं आंखों के चश्मो का किया वितरण ब्लड प्रेशर, शुगर, बी. एम. आई.,हीमोग्लोबिन ई.सी.जी. की हुई निःशुल्क जांच

जयपुर। निशुल्क नेत्र एवं मेडिकल जांच शिविर का आयोजन शनिवार, दिनांक 3 फरवरी को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 3:00 तक भारत सरकार के उपक्रम भारत कंटेनर लिमिटेड (CONCOR), गोकुलपुरा, कनकपुरा जयपुर में महावीर इंटरनेशनल, दिल्ली व महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा CONCOR के सहयोग से आयोजित किया गया । ग्रेटर के सचिव राजेश बड़जात्या ने अवगत कराया कि शिविर में सहाय हॉस्पिटल एवं इटरनल हॉस्पिटल के डाक्टर एवं उनकी टीम द्वारा 131 मरीजों की निशुल्क आँखों की जांच एवं ब्लड प्रेशर, शुगर, बी. एम. आई.,हीमोग्लोबिन ई.सी.जी. की जांच की गई तथा शिविर में जेनरेटेड जेनेरिक दवाइयां व 63 आँखों के चश्मो का वितरण भी किया गया । CONCOR के एसोसिएट आफिसर , दिलेर सिंह वहां उपस्थित रहे । ग्रेटर के सुरेश जैन बांदीकुई, सुनील बज, डॉ जी सी जैन सोगानी, अशोक सोगानी , महावीर सेठी, मोहन लाल गंगवाल, नीरज जैन, विनोद बड़जात्या, सीमा बड़जात्या, सुमन बज, बीना सोगानी , अजीत जैन, सुशीला बड़जात्या, आदि सदस्यों द्वारा शिविर व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया गया। महावीर इंटरनेशनल दिल्ली की श्रीमती धरती वार्ष्णेय के मार्ग दर्शन में कैम्प आयोजित किया गया। कैम्प के अंत मे महावीर इंटरनेशनल ग्रेटर द्वारा नीरज जैन (Cluster trainer Virology), इटारनल हास्पिटल, सहाय हास्पिटल के सहयोगी डाक्टर्स, तकनीशियन, लेब आदि का सम्मान किया गया ।

शांति का परम द्वार निर्मल सृष्टिः गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी (राज.) में विराजमान श्रमणी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने धर्मोपदेश देते हुए कहा कि शांति का परम द्वार निर्मल दृष्टि है...। और जिसकी दृष्टि निर्मल नहीं, उसका चित्त शांत नहीं होता। दृष्टि जैसी होती है उसे सृष्टि भी वैसी दिखनी शुरू हो जाता है। दृष्टि ही हमारी विचार व सोंच को प्रभावित करती है। जीवन श्रेष्ठ तभी हो सकता है जब हम विचारों की पवित्रता के साथ आचरण की भी पवित्रता रखेंगे। चर्चा के साथ सम्यक चर्चा करेंगे। जीवन में विवेकपूर्ण प्रबल पुरुषार्थ आवश्यक है। पुरुषार्थ कभी व्यर्थ नहीं जाता है, वर्तमान पुरुषार्थ ही भविष्य का भाग्य बनता है। पूज्य माताजी की संघस्थ आर्यिका विकक्षाश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में नौगावां जिला अलवर में श्री जिनसहस्त्रनाम महार्चना का आयोजन हुआ । भक्तों ने भक्ति रस का रसास्वादन कर पुण्यार्जन किया।

श्रीसंघ अहिंसा भवन ने महासती मनोहर कंवर आदि ठाणा 4 को वर्ष 2024 में चातुर्मास करने का विनती पत्र प्रदान किया

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। अहिंसा भवन शास्त्री नगर श्रीसंघ ने वर्ष 2024 के चातुर्मास केलिए महासती मनोहर कंवर आदि ठाणा की जयकारे लगाकर कोटा में विनती पत्र दिया। अहिंसा भवन शास्त्री नगर के प्रमुख अशोक पोखरना ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार को कोटा में विराजमान राजस्थान प्रवर्तनी यशकंवर जी महाराज की सुशिष्या महासती मनोहर कंवर,साध्वी ज्ञान कंवर म.सा.आदि ठाणा 4 का आयोजित धर्मसभा के दौरान अहिंसा भवन शास्त्रीनगर श्रीसंघ के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह बाबेल, मंत्री दिनेश मेहता,जसवंत सिंह डागलिया,सरदार सिंह कावड़िया, रिखबचंद पीपाड़ा,विनोद बोहरा द्वारा साध्वी मंडल को श्रध्दालुओं की उपस्थिति में महासती मनोहर कंवर को चातुर्मास विनती पत्र दिया गया। साध्वी मनोहर कंवर ने श्रीसंघ अहिंसा भवन चातुर्मास की विशेष विनती को ध्यान मे रखते होली आयोजन अपना चातुर्मास घोषित करने का श्री संघ अहिंसा भवन के पदाधिकारियों को पूर्ण रूप से आश्वासन प्रदान किया।

आचार्य श्री 108 चैत्यसागर जी मुनिराज का ससंघ भव्य मंगल रविवार को भट्टारक जी की नसियां में

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री मुनिसंघ व्यवस्था समिति, जयपुर के बैनर तले आचार्य श्री 108 चैत्यसागर जी मुनिराज का ससंघ भव्य मंगल प्रवेश रविवार - 4 फरवरी, 2024 को दोपहर 3.15 बजे भट्टारक जी की नसियाँ. नारायण सिंह सर्किल, जयपुर मे मंगल आगमन होगा। अध्यक्ष राजीव जैन गाज़ियाबाद एवम महामंत्री नवीन संघी ने बताया कि मुनिसंघ व्यवस्था समिति द्वारा तीन मूर्ति, चौराहा जे एल एन से बैंड बाजा के साथ हम सभी गुरुवर की आगवानी करेंगे । दोपहर 2.45 बजे तीनमूर्ति चौराहा पर कृपया सभी अधिक से अधिक संख्या में शामिल होवे। समिति द्वारा भट्टारक जी की नसियाँ मे अल्पाहार व सायंकाल भोजन की व्यवस्था रखी गई हैं।

पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक का जत्था पहुंचा मधुबन

शाश्वत ट्रस्ट के महामंत्री जैन राज कुमार अजमेरा की ओर से ट्रस्ट के अधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

सम्मेदशिखर जी. शाबाश इंडिया

जैनियों के विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री सम्मेद शिखरजी रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार खण्डेलवाल एवं मण्डल प्रबंधक धनबाद कमल किशोर सिन्हा मधुबन पहुंचे। उनके साथ रेलवे अपर मण्डल प्रबंधक विनीत कुमार एवं अमित कुमार, वरीय मण्डल वाणिज्य प्रबंधक अमरेश कुमार, वरीय सुरक्षा मण्डल सुरक्षा आयुक्त मो सरफराज अहमद, वरीय मण्डल संकेत एवं दूरसंचार गौतम गुप्ता, वरीय मण्डल अभियंता सूरज कुमार, आलोक कुमार समेत कई अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। उन्होंने मधुबन में स्वंप्रथम श्री दिगम्बर जैन शाश्वत तीर्थराज सम्मेदशिखर ट्रस्ट के निहारिका परिसर में स्थित कलश मंदिर का दर्शन किया, ट्रस्ट के महामंत्री राजकुमार जैन अजमेरा - हजारीबाग के निर्देश पर ट्रस्ट के अधिकारियों ने तिलक एवं दुपट्टा से रेलवे के सभी अधिकारियों का सम्मान किया एवं ट्रस्ट के महामंत्री अजमेरा की ओर से पारसनाथ स्टेशन और मधुबन पी. आर. एस. की सुविधा को बढ़ाने के लिए ट्रस्ट के अधिकारियों ने ज्ञापन सौंपा। मांग पत्र में श्री सम्मेदशिखरजी की महिमा का वर्णन करते हुए कई आठ मुख्य बींदुओं की मांग की, मांग पत्र में कहा श्री सम्मेदशिखर (पारसनाथ) ''जिला-गिरिडीह में स्थित'' अल्पसंख्यक जैन धर्मावलम्बियों का विश्व में सबसे बड़ा एवं पूजनीय तीर्थस्थल है। यह क्षेत्र पारसनाथ स्टेशन से लगभग 25 किलोमीटर दूरी पर है एवं सभी ट्रैन से आने वाले यात्री इसी स्टेशन का इस्तेमाल करते हैं एवं धनबाद से इसकी दूरी लगभग 50 किलोमीटर है, भारत के सर्वाधिक महत्वपूर्ण तीर्थ स्टेशन होने पर भी ''पारसनाथ स्टेशन'' रेल विभाग द्वारा उपेक्षित रहा है। हर वर्ष श्री सम्मेदशिखर क्षेत्र के दर्शन करने हेतु लाखों यात्री आते हैं एवं ज्यादातर यात्रियों के लिए पारसनाथ स्टेशन का इस्तेमाल करना सर्वाधिक सुविधाजनक होता है। राजकुमार जैन अजमेरा ने समस्त जैन समुदाय एवं अन्य यात्रियों की ओर से ज्ञापन में मांग करते हुए लंबित कार्यों की स्वीकृत प्रदान करने के साथ आठ मुख्य बिन्दुओं में पहला मांग पारसनाथ, मधुबन, गिरिडीह, नई रेल लाईन का कार्य स्वीकृत हो चुका है, इसके माध्यम से पारसनाथ से मधुबन की दुरी मात्र 13.7 किलोमीटर रह जाती है, शिलान्यास 4 मार्च 2019 को हुआ था, केन्द्र सरकार ने अपने बजट में इसकी राशि की स्वकृति भी प्रदान की है, इसके वावजूद जमींन पर कोई कार्य होता नहीं दिख रहा है इसे प्राथमिकता के आधार पर अतिशीघ्र करने, दुसरा मांग गरबा एक्सप्रेस 12937-12938, हावड़-दिल्ली दूरन्तो एक्सप्रेस 12274-12275, हमसफर एक्सप्रेस 22318 एवं भुवनेष्वर-आनंद विहार टर्मिनल 22805-22806 का ठहराव पारसनाथ स्टेशन पर किया जाए एवं झारखण्ड स्वर्ण जयन्ती एक्सप्रेस 12817-12818, रांची एलटीटी एक्सप्रेस 18609-18610, आरा रांची आरा एक्सप्रेस 18639-18640, सियालदह नई दिल्ली सियालदह राजधानी 12313-12314 एवं रांची नई दिल्ली रांची राजधानी एक्सप्रेस 12839-12840 जो रांची से चल कर पारसनाथ स्टेशन को पार करते हुए बीना रूके अपने गनतव्य को जाती है, उक्त सभी ट्रेनों का ठहराव पारसनाथ स्टेशन पर किया जाए, तीसरी मांग ट्रेनों के ठहराव का समय को बढ़ाने की मांग, चौथा मांग अयोध्या रेलवे स्टेशन के तर्ज पर भगवान पारसनाथ की एक आप्रतिष्ठित प्रतिमा (मूर्ती) का अनावरण पारसनाथ स्टनेश हो, पांचवा मांग शिखरजी मधुबन रेलवे का एक पी. आर. एस. काउन्टर है जिसका समय सीमा दोपहर 02:00 बजे से तक उसकी समय सीमा को बढ़ा कर रात्री 08:00 बजे तक हो जाने से पर्वत वन्दना कर आने वाले तीर्थयात्रियों को लाभ मिल सकेगा। **-कोडरमा मीडिया प्रभारी जैन राज कुमार अजमेरा**

वेद ज्ञान

प्रकृति की तरह जो चीज सरल रहती है, वही सत्य

प्रकृति अत्यंत सरल है। इसकी समस्त क्रियाएं बड़ी सरलता के साथ होती हैं। सूर्य का उदय होना, तारों का टिमटिमाना और नदियों का निरंतर बहना आदि कुदरती क्रियाएं होती रहती हैं। वृक्ष फलते-फूलते हैं, रात के बाद दिन आता है, पर्वत-चट्टानें स्थिर हैं। वस्तुतः प्रकृति जटिलताओं का उद्गम-स्नोत नहीं है, उन्हें वह निर्मित भी नहीं करती। प्रकृति की क्रियाएं क्यों हो रही हैं या फिर क्या होना चाहिए, जैसे प्रश्नों से जटिलताएं आती हैं। प्रकृति में सब कुछ स्वयं ही होता है। प्रकृति की तरह जो चीज सरल रहती है, वही सत्य है। ऊपर से यह बात सहज जान पड़ती है, पर यह उतनी सरल नहीं है। यही जीवन के साथ भी है। सरल रहने तक मानव जीवन सम्यक अर्थों में वास्तविक जीवन बना रहता है। यही हमारा जीवन जीना होता है। इससे पृथक होते ही जीवन सिर्फ व्यतीत करने तक सीमित हो जाता है। पद और ज्ञान का दंभ जीवन को जटिल बनाता है। जीवन के न सुलझने वाले गणित को सुलझाने के अनावश्यक कार्य में हम इतने अधिक उलझ जाते हैं कि अंत में मृत्यु ही इनके उलझाव को सुलझाती है। सहज और सरल जीवन द्वारा प्रयास के बगैर ऊंचाई मिलती है। जीवन की सहजता में जीवन को असाधारणता और अलौकिकता प्राप्त होती है। सरलता ही सत्य है। सत्य ईश्वर है। सत्य बोलना कठिन नहीं है। जो वास्तविकता है, उसे ही कहना है। सत्य में जोड़ना, घटाना और गुणा भाग नहीं करना पड़ता। झूठ बोलना इसके ठीक विपरीत है। जो नहीं है, वही कहना है। जल को हवा सिद्ध करने के लिए प्रपंच की सृष्टि करनी पड़ती है। वास्तविकता से दूर जाना पड़ता है। तमाम तरह के छल-छद्म रचने पड़ते हैं। सत्य का यथार्थ से संबंध है। संकोच करने पर मायावी-दिखावे के कारण अवसर निकल जाता है। संबंध की दीर्घता में सत्य और सरलता सेतु सदृश है। सत्य को कभी स्मरण नहीं रखना पड़ता। स्वयं स्मृति में रहता है। झूठ को सदा स्मृति पटल पर रखना होता है। झूठ को जितनी बार दोहराते हैं, उतनी बार उसका अर्थ बदलता जाता है। झूठ जटिलताएं उत्पन्न करता है, जो मानसिक तनाव का कारण बनकर सरलता नष्ट करता है। सरलता के बगैर सत्य की निकटता नहीं मिलती।

संपादकीय

इंसान के दिमाग में चिप...

विज्ञान हमें बार-बार चकित करता है? नए-नए आविष्कारों ने मानव जीवन को सरल बनाने में ऐसे-ऐसे बदलाव किए हैं कि जिनकी कुछ दशक पहले तक कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। सिक्के जैसी एक डिवाइस या यंत्र 'न्यूरलचिप' को अपने मस्तिष्क से जोड़कर आप वह सब कुछ कर सकते हैं, जो अब तक कंप्यूटर, लैपटॉप और एंड्रॉयड फोन पर लिखकर या बोलकर करते रहे हैं। यह कमाल एलन मस्क की कंपनी ने किया है। यह सिक्का बराबर यंत्र चुटकियों में दिमाग का हिस्सा बन जाएगा। लगवाने वाले को पता भी नहीं चलेगा कि यह कब लग गया। पहले केवल कहा जाता था कि इंसानों के दिमाग में चिप लगाई जाएगी, पर एलन मस्क की कंपनी ने इसे सच कर दिखाया है। यह दुनिया के लिए एक बड़ी खुशखबरी है कि एलन मस्क के स्टार्टअप न्यूरालिंक ने मानव मस्तिष्क में अपना पहला सफल चिप लगा दिया है। इस तकनीक से केवल सोचने भर से कई यंत्र काम करने लगेंगे। न्यूरालिंक ने इंसान के दिमाग में सर्जरी के जरिये चिप लगाई है। यह यंत्र मानव के दिमाग और कंप्यूटर के बीच सीधे संपर्क स्थापित करेगा। अगर मानव पर प्रयोग कामयाब रहा, अगर मानव अनियंत्रित न हुआ, चिप का कोई प्रतिकूल असर सामने न आया, तो तय मानिए, दुनिया बदल जाएगी। दृष्टिबाधित लोग देखने लगेंगे। कमजोर दिमाग के लोग भी विद्वान रूप में देखे जाएंगे। लकवा के मरीज चल-फिर सकेंगे और कंप्यूटर भी चला सकेंगे। कंपनी ने इस चिप का नाम 'लिंक' रखा है। सितंबर 2023 में मस्क की कंपनी को मानव पर प्रयोग करने की मंजूरी मिली थी। न्यूरालिंक के मुताबिक, प्रयोग या परीक्षण उन लोगों पर किया जा रहा है, जिनको सर्वाइकल स्पाइनल कॉर्ड में चोट या क्वाड्रिप्लेजिया है। इस परीक्षण में हिस्सा लेने वालों की उम्र कम से कम 22 साल होनी चाहिए। वैसे एक अनुमान यह है कि परीक्षण को पुख्ता होने में छह साल तक लग जाएंगे। एक ऐसे ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस को डिजायन किया जा रहा है, जो आसानी से प्रत्यारोपित होकर दिमाग के प्राकृतिक तत्वों-द्रव्यों के साथ तालमेल बिठा लेगा, जो किसी भी कंप्यूटर या मोबाइल के संचालन में सक्षम होगा। मस्क यह भी कह चुके हैं कि आने वाले समय में लोगों को अपने कंप्यूटर और स्मार्टफोन इस्तेमाल करने के लिए बोलने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी। कुछ सोचते ही यह यंत्र काम करने लगेगा। आसान शब्दों में कहा जाए, तो टेलीपैथी, यानी दिमाग की सोच के सहारे स्मार्टफोन और कंप्यूटर को ऑपरेट किया जा सकेगा। क्या इस चिप की मदद से हम अपनी तमाम यादों को सहेजे रख सकते हैं? एलन मस्क ने तो पिछले साल ही दावा कर दिया था कि यह न्यूरलचिप लोगों को उनकी यादों को संभालकर रखने यानी स्मार्टफोन की तरह ही बैकअप मेमोरी बनाने का मौका देगी। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

अब 56 हजार गांवों को नापेगी भाजपा

लोकसभा चुनाव 2024 में 400 से ज्यादा सीटों के साथ हैट्रिक बनाने के मिशन से चुनाव की तैयारी में जुट गई है। भाजपा ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों से संपर्क साधने के लिए इस महीने 4 से 11 फरवरी तक देशभर में मेगा गांव चलो अभियान चलाने जा रही है। इस अभियान के तहत आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी भाजपा अब अपने नेताओं और कार्यकताओं को गांवों में उतारने जा रही है। मप्र में इस अभियान के तहत भाजपा नेता 8 दिन के अंदर 56 हजार से अधिक गांवों में दस्तक देंगे। इस दौरान केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को गिनाएंगे। प्रदेश में इसके लिए प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा खुद तैयारियों को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। लोकसभा चुनाव के लिए कमर कस चुकी भाजपा ने अब गांवों पर ध्यान केंद्रित करते हुए वहां अपनी जड़ों को और मजबूत करने की ठानी है। इसी कड़ी में फरवरी के पहले सप्ताह से प्रारंभ होने वाले पार्टी के गांव चलो अभियान की रूपरेखा को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक, सांसद और पार्टी पदाधिकारी एक-एक गांव का दौरा कर वहां 24 घंटे प्रवास करेंगे। इस दौरान बूथ स्तर की बैठकें भी होंगी। पिछले चुनावों में पार्टी ने जो बूथ हारे हैं, उन्हें जीतना और जो जीते हैं, उनमें पिछली बार के मुकाबले 10 प्रतिशत मतों में वृद्धि करना, इस अभियान का लक्ष्य है। अब तक के चुनावों में बूथ जीता-चुनाव जीता के मूलमंत्र पर चलते हुए भाजपा सफलता के सोपान छूती आई है। गांव चलो अभियान में पार्टी के सभी नेता जुटेंगे। वे गांव-गांव जाकर घर-घर संपर्क कर आमजन को पार्टी की रीति-नीति के साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकारों की उपलब्धियों और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे। पार्टी सभी नेता कम से कम एक दिन गांव में रहकर पन्ना प्रमुखों, पार्टी जनों के साथ ही आमजन के साथ बैठकें करेंगे। ग्रामीणों की समस्याएं जानकर इनका निराकरण भी कराएंगे। यही नहीं, अधिक से अधिक व्यक्तियों को पार्टी से जोड़ा जाएगा। पार्टी जनों को इस संदेश के साथ मोर्चे पर लगाया जाएगा कि उनकी पांच माह की मेहनत देश के भविष्य के 50 साल तय करेगी। लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा अपने जिला संगठनों में फेरबदल करने की तैयारी में है। पार्टी जल्द ही आधा दर्जन जिलों के अध्यक्षों को बदल सकती है। इसके साथ ही जिलों के पदाधिकारियों को भी बदला जाना है। प्रदेश संगठन ने संभाग प्रभारियों की रिपोर्ट पर फेरबदल करने का तय किया है। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव के बाद भाजपा ने हर जिले के काम का मंथन किया था। इसके साथ ही हारे हुए प्रत्याशियों की बैठक भी बुलाई थी। इस बैठक में कई प्रत्याशियों ने जिलाध्यक्षों की खुलकर शिकायत की थी। चुनाव हारे नेताओं का कहना था कि जिलाध्यक्ष समेत जिले के कई प्रभारियों ने पर्दे के पीछे से बागी प्रत्याशी की मदद की जिससे उन्हें नुकसान हुआ। जिलो के कई पदाधिकारियों के चुनाव के दौरान घर बैठने की भी शिकायत की गई थी।

अंकलीकर परम्परा के सम्वेदन दर्शी, आर्श परम्परा के कुशल संवाहकः आचार्य श्री सन्मति सागर जी महाराज

शाबाश इंडिया

अंकलीकर परम्परा के सम्वेदन दर्शी, भक्ति दर्शी, अनासक्त दर्शी, सूक्ष्म दर्शी, जिनधर्म के धुरिकीर्तनीय धाम, महाव्रतों के मूर्ति मान, आदर्श विग्रह, दया, करूणा, तप-त्याग-संयम के अगाध-अपार सागर, आर्ष परम्परा के कुशल संवाहक, सहज वात्सल्य की जीवन्त तप प्रतिमूर्ति -- अंकलीकर आचार्य श्री आदि सागर जी, आचार्य श्री महावीर कीर्ति, आचार्य श्री विमल सागर की यशस्वी सन्त परम्परा के कुल वसन्त के श्रमण कुल तिलक, वीतराग पथ की कुशल पथिक, सिद्धान्त चक्रवर्ती, तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी महाराज के पाद पदमों में अन्तर्मन से अन्तर्मना के कोटिशः नमन वन्दन प्रणाम

हे पावन परमेष्ठी -- आप अनुत्तर साम्ययोगी है, आप का मुख मण्डल समता, प्रशान्त चित्तता आपकी चेतना को, राग-द्वेष की उर्मियों से छू भी नहीं पाती। आपकी हर स्वांस-प्रश्वास में वीतराग वाणी अनुगुंजित होती रहती है।

★ हे महातपस्वी-आप एक ऐसी दिव्य विभूति है, जिन्होंने आत्म कल्याण सहित जन जन को आत्म कल्याण के लिए प्रतिबोधित किया है।

★ हे तप विभूति के श्रमण राज-आप सन्तों में अग्रणी, तपस्वियों में धुरिकीर्तनीय तथा शील-साधना प्रज्ञा

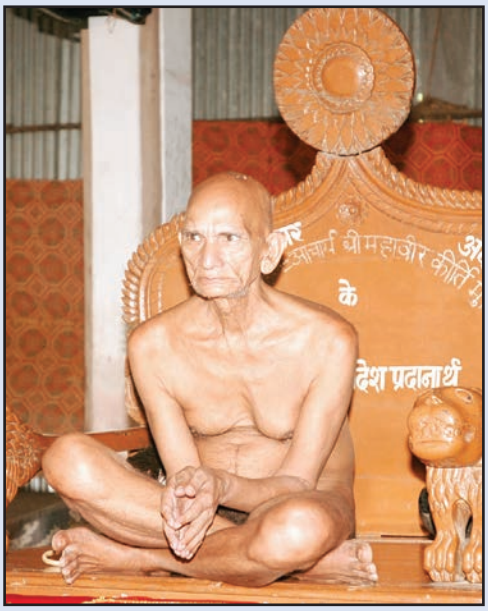

की समन्वित युति के धारक है। आपका मन, इन्द्रियां-वृत्तियां, चित्त सब कुछ शान्त है, आप शान्त संकल्प के तप साधक है।

★ हे रत्नत्रय महोदधि-आप ज्ञान-विज्ञान-आत्मज्ञान इन तीनों ज्ञान सरणियों से परिपूर्ण है।

★ हे अखण्ड महाव्रतनिष्ठ-आपका व्यक्तित्व ऊर्जस्वी, वर्चस्व, तेजस्वी, दीप्ति मान, महाव्रतनिष्ठ एवं रत्नत्रय-साधना के गुण रत्नों से परिपूर्ण, नित्य सम्वर्धन धुरीकीर्तनीय गुण से लसित उदार लावण्य-ललित, एवं उत्साह से प्रेरित, संयम, शील के धर्म महीरूह, के रूम में, आविर्भूत हुये हैं।

★ हे तपस्वी सम्राट-आपका सम्पूर्ण जीवन तपस्या निर्जरा के बोध से अनु प्राणित हो। आपने 10 हजार से ज्यादा उपवास सफलता के साथ निर्द्वन्द्व भाव से आत्मस्थ होते हुये सम्पन्न किये। समस्त रसों का परित्याग कर रसना इन्द्रिय का निग्रह कर नित्य आत्म विशुद्धि को संवर्धन शील परिणामों को वर्धमान किया।

★ हे पूज्य प्रवर-मेरे सभी व्रत, तप उपवास की सुदीर्घ साधना में संबल रहा। मेरे तप की सुसंपन्नता हेतू आपका वात्सल्य हर क्षण हर पल उर्जित करता रहता है।

आपकी उत्तम समाधि की पावन बेला पर मेरे अनन्त प्रणाम स्वीकार करें।

णमो आइरियाणं
आचार्य प्रसन्न सागरं

गणाचार्य पुष्पगिरी तीर्थ प्रणेता आचार्य श्री पुष्पदंत सागर जी महाराज का जीवन परिचय

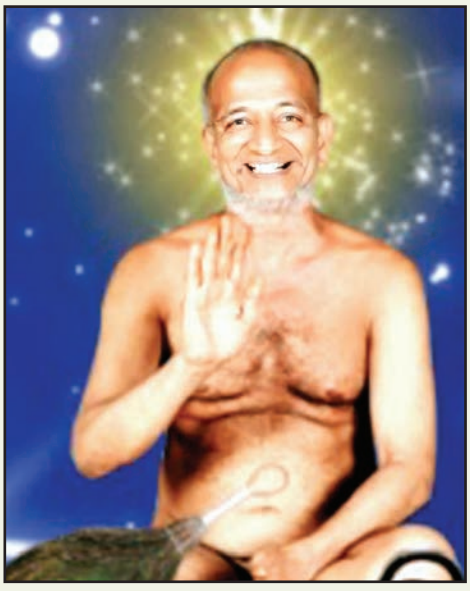

जन्म - 1 जनवरी 1954
जन्म स्थान - गोंदिया महाराष्ट्र
पिता -श्री कोमलचन्द्रजी जैन
माता - मधुरा देवी
समाधित्य आर्थिको श्री पद्मश्री माताजी
शिक्षा - एम.ए.बी.एस्स.
गृहत्याग -12 अप्रैल 1978
हुलक दीक्षा - 2 नवम्बर 1978, नैनागिरी
ऐलक दीक्षा - 14 जनवरी 1980, नैनागिरी
दीक्षा गुरु - संत शिरोमणी आचार्य श्री विद्यासागर महाराज
मुनि दीक्षा - 31 जनवरी 1980- बालाबेहट
आचार्य पद - 21 मार्च 1986, गोम्म गिरी इन्दोर म.प्र.
मुनि दीक्षा गुऊ - वात्सल्य रत्नाकर आचार्य भगवन श्री विमल सागरजी महाराज
साहित्य सत्तन - 250 पुस्तके

अन्तर्मना उवाच

पुष्पागिरी तीर्थ प्रणेतादिगम्बराचार्य श्री पुष्पदन्त सागरजी गुरूदेव के 70 वें जन्मोत्सव एवं नववर्ष की पावन बेला पर..
मेरा सकल संघ साहित अनन्त शुभासंशाओ साहित
प्रणाम नमन वन्दन
हे जैन जगत के महामार्तण्ड !
हेजिन शासन के प्रभावक धारिकीर्तिनीय धाम ! हे संयम साधना वीर्य करूणा के अगाध, अपार सागर - अनुत्तर महान परोपकारी गुरूदेव के चरणों में अन्तर्मन सेत्रिबार भाव वन्दना करता हूँ ।

हे आत्म ऊध्वारोहण के अप्रमत्त साधक, चारित्र की उजली चादर की अम्ल धवल, ज्योत्स्ना से आलाकित हे दैदीप्यमानिदवाकर, अन्धेरों को उजालते हुये युग को अमृतिनाधि बांटने वाले, हे परमिदगम्बर सन्यासी! आप उनिवरलीविभातियों में से एक हैं,जिन्हें प्रकाति ने अपरामित मेहनत और काशिश से तराशा है, श्रमशीलता के सतत अभ्यास से आपने हर स्वार्थ काविसर्जनिकया है; साहिष्णुता से हर कष्ट को हँसकर सहा और सम्पूर्ण मानव जाति केलिए बन गये उपयोगी ।

हे अध्यात्म के महास्रोत ! आपकी वात्सल्यमयी दृष्टी आश्वस्त करती मधुर मुस्कान, आशीर्वाद मुद्रा में उठे दोनों हाथ, भक्त-अभक्त को,निन्दक-प्रशन्सक, सभी को परम शान्ति का अनुभव कराते हैं ।

हे युग नायक ! आपकी वचनिसाद्धि सम्यक्त्व की साधना का जन चेतना को ऊध्वारोहण करवाती है ।

हे कल्याण कल्पतरू गुरूदेव ! बहुजनिहतकर चर्या की साधना करते हुये, धर्म ध्यानी, अनुशासनिप्रय, तीर्थंकर के लघु नन्दन गणाचार्य श्री पुष्पदन्त सागरजी महाराज के चरणों मेंसिद्ध भक्ति श्रुत भक्ति, आचार्य भक्ति साहितित्र-फेरी करते हुए भाव वन्दना प्रणाम करता हूँ ।

हे वीतरागता के मुर्तिमान गुरूदेव
नववर्ष 2024 आपकी अहैतुकी कृपा चतुर्दिगिवस्तीर्ण करने का साक्षी बने, आपकी आत्मिवशाद्धि के रत्नत्रयी संप्रवर्तन द्रुतता से वर्धमान होते रहे।इस हेतू आपके पाद पद्मो में काटिश नमोस्तु नमोस्तु नमोस्तु

अन्तर्मना प्रसन्न सागर
कुंजवन उदगांव (महाराष्ट्र)

तितली है खामोशः युगबोध का यथार्थ चित्रण

समीक्षा

पुस्तक का नाम : तितली है खामोश
लेखक : सत्यवान 'सौरभ'
लेखकीय पता : परी वाटिका, कौशल्या भवन,
बड़वा (सिवानी) जिला भिवानी, हरियाणा - 127045
मोबाइल : 9466526148
विधा : दोहा
प्रकाशक : हरियाणा साहित्य अकादमी,
पंचकूला (हरियाणा)
संस्करण : 2021
मूल्य : 200/-
पृष्ठ संख्या : 124

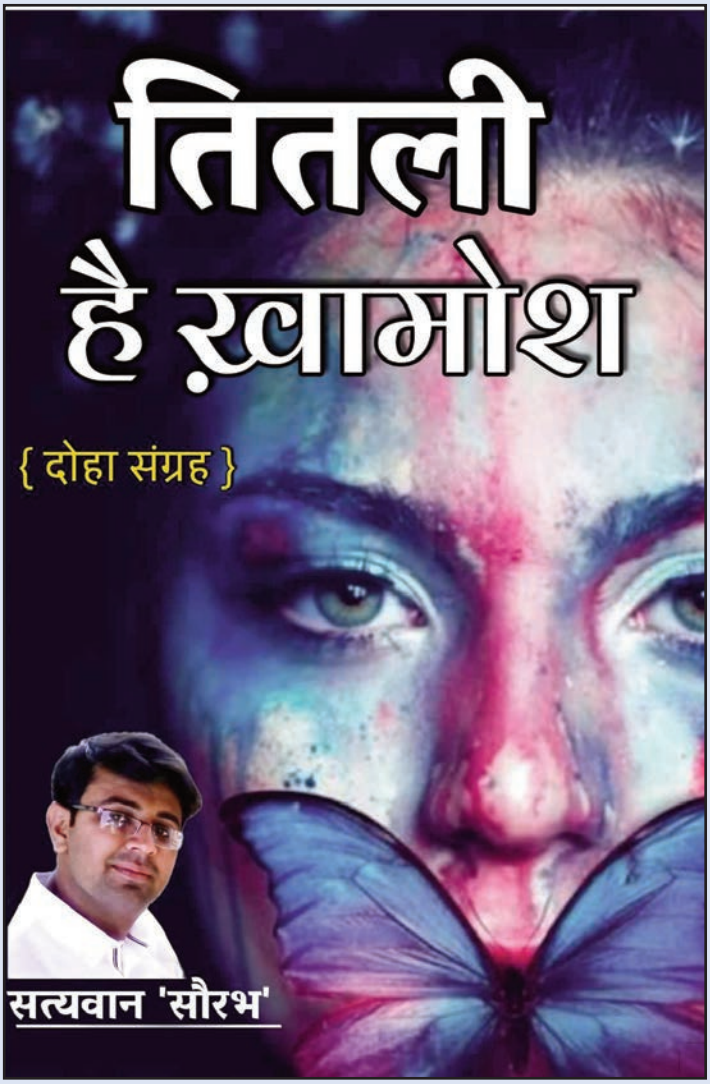

श्री सत्यवान 'सौरभ' हरियाणा के प्रतिष्ठित साहित्यकार हैं जिन्होंने गीत, गजल, कविता, दोहे आदि अनेक साहित्यिक विधाओं के साथ ही विपुल मात्रा में विभिन्न विषयों पर लेखों का सृजन किया है। श्री सत्यवान 'सौरभ' वर्तमान में हरियाणा सरकार के चिकित्सा विभाग में वेटरनरी इंस्पेक्टर हैं। आजीविका की व्यस्तताओं के उपरांत भी वे अंग्रेजी एवं हिन्दी दोनों भाषाओं में समान्तर लेखन कर रहे हैं। देश विदेश की सैंकड़ों पत्रिकाओं में उनकी रचनाओं का निरन्तर प्रकाशन हो रहा है।' तितली है खामोश' दोहा संग्रह, उनकी दूसरी प्रकाशित पुस्तक है जिसमें वर्ष 2005 से 2021 के बीच सोलह सालों में लिखे गए दोहों का संग्रह है। उनकी पहली पुस्तक 'यादें' सोलह वर्ष की आयु में प्रकाशित हुई थी। दूसरी पुस्तक के इतनी देरी से आने का कारण लेखक ने यह बताया है कि इस अन्तराल में उसने अपने कृतित्व को जिया और भोगा है। हरियाणा साहित्य अकादमी के सौजन्य से प्रकाशित दोहा संग्रह 'तितली है खामोश' में अठहत्तर शीर्षकों में विभक्त सात सौ पच्चीस दोहे हैं। इसके अतिरिक्त 'उपहार' शीर्षक में जीवन संगिनी श्रीमती प्रियंका सौरभ को समर्पित दो दोहे और 'बुरे समय की आंधियां' शीर्षक से सात अतिरिक्त दोहे हैं। श्री सत्यवान 'सौरभ' का यह पुस्तक अपने माता-पिता श्रीमती कौशल्या देवी एवं रामकुमार गैदर के साथ ही अपने सास-ससुर श्रीमती रौशनी देवी और सुमेर सिंह उब्बा को समर्पित करना, उनके कवि मन की विशालता एवं निर्मलता को दशार्ता है। कवि अपने माता-पिता के साथ ही पत्नी के माता-पिता को भी समान महत्त्व प्रदान करता है। कवि की पत्नी को सम्मान प्रदान करने की यह भावना स्तुत्य एवं अनुकरणीय है। यह सोच ही नारी सशक्तीकरण की आधारशिला है। 'तितली है खामोश' कृति के दोहे कवि के व्यक्तिगत जीवन के साथ ही सामाजिक जीवन के अनुभवों का यथार्थ चित्रण करते हैं। इन दोहों में विषय की विविधता है। जीवन के विविध पक्षों पर कवि ने मौलिक दृष्टि से चिन्तन किया है। जीवन की तमाम विसंगतियों के बीच भी कवि का स्वर आशावादी है। 'आशाओं के रंग' शीर्षक के इस दोहे में कवि कठिन परिस्थितियों में भी साहस से काम लेने का प्रेरणादायक संदेश देते हुए कहता है -

छाले पाँवों में पड़े, मान न लेना हार।
काँटों में ही है छुपा, फूलों का उपहार।।

(पृष्ठ 1)

'सहमा - सहमा आज' शीर्षक के दोहों में कवि ने आज के समय की विसंगतियों का चित्रण किया है। देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के प्रति चिंता व्यक्त करते हुए कवि का कहना है -

दफ्तर थाने कोर्ट सब, देते उनका साथ।
नियम-कायदे भूलकर, गर्म करे जो हाथ।।

(पृष्ठ 6)

'सत्य भरे सब तथ्य' शीर्षक के अन्तर्गत इस दोहे में कवि सच्चाई की दुर्दशा पर व्यथित होकर कह उठता है ।

'सौरभ' कड़वे सत्य से, गए हजारों रूठ।
सीख रहा हूँ बोलना, अब मैं मीठा झूठ।।

(पृष्ठ 9)

' पंछी डूबे दर्द में ' शीर्षक के अन्तर्गत दिए गए दोहों में समाज में आए बदलावों का सजीव वर्णन है। अब न तो पहले जैसे प्रेमी व्यक्ति रहे और न ही पहले जैसा वातावरण। संवेदनाओं का क्षरण वर्तमान समय की त्रासदी है। समीक्ष्य कृति का नामकरण 'तितली है खामोश' जिस दोहे के आधार पर किया गया है, उसमें कवि इसी पीड़ा को उकेरता हुआ कहता है -

सूनी बगिया देखकर, तितली है खामोश।
जुगनू की बारात से, गायब है अब जोश।।

(पृष्ठ 30)

आज तथाकथित धर्म मानव को जोड़ने के स्थान पर उसे एक - दूसरे से पृथक करने का कार्य कर रहे हैं। 'जात - धर्म की फूट' शीर्षक के अन्तर्गत इस तरह के भेद-भाव पर कवि निर्भय होकर कहता है -

गैया हिन्दू हो गई, औ' बकरा इस्लाम।
पशुओं के भी हो गए, जाति - धर्म से नाम।।

(पृष्ठ 50)

बचपन, जीवन का स्वर्णिम काल होता है। यह समय बच्चों के लिए पढ़ - लिखकर अपना भविष्य सँवारने का होता है। किन्तु विडम्बना है कि बचपन के इस अनमोल समय में कुछ बच्चे कूड़ा - करकट बीनकर अपना पेट पालने के लिए विवश हैं । 'बचपन के वो गीत' शीर्षक वाले इस दोहे में कवि का कहना है।

स्याही कलम दवात से, सजने थे जो हाथ।
कूड़ा - करकट बीनते, नाप रहे फुटपाथ।।

(पृष्ठ 74)

मिलजुल कर प्रेमपूर्वक रहने में ही जीवन का सार है। जब धन के कारण मन बँटने लगता है तो सब कुछ उजड़ा- उजड़ा लगने लगता है। सब कुछ होते हुए भी मन खिन्न रहता है। 'बाँटे मन के खेत' शीर्षक में सम्मिलित इस दोहे में कवि का यह कहना बिल्कुल सही है -

जब दौलत की लालसा, बाँटे मन के खेत ।
ठूँठा - ठूँठा जग लगे, जीवन बंजर रेत।।

(पृष्ठ 104)

उक्त कतिपय उदाहरणों से स्पष्ट है कि श्री सत्यवान 'सौरभ' एक संवेदनशील रचनाकार हैं, जिन्होंने अपने भोगे हुए यथार्थ को यथातथ्य अभिव्यक्त किया है। समीक्ष्य कृति के सभी दोहे हृदयग्राही एवं सरस हैं। एक - एक दोहा पाठक के मन और मस्तिष्क को झकझोरता हुआ युगीन सत्य से परिचित कराता है। कवि का कथन पाठक को अपनी ही भावाभिव्यक्ति लगता है। इन दोहों में काव्य सौन्दर्य के साथ ही भावों का सफलतापूर्वक संप्रेषण और भाषागत प्रवाह दर्शनीय है। 'तितली है खामोश' दोहा संग्रह के दोहों की भाषा आमजन की भाषा है। भावों के अनुरूप भाषा का प्रयोग सम्प्रेषणीयता को और भी प्रभावशाली बनाता है। कबीर की तरह कवि की भाषा - शैली आडम्बर से मुक्त है। दोहों में मुहावरों और अलंकारों का स्वाभाविक प्रयोग देखते ही बनता है। आकर्षक आवरण और त्रुटि रहित मुद्रण कृति की सुन्दरता को द्विगुणित करते हैं। कृति की स्तरीय विपुल सामग्री, पाठक को आत्मसंतुष्टि देने के साथ ही उसकी चेतना को चिन्तन के नये आयाम प्रदान करती है। यह कृति कविवर श्री सत्यवान 'सौरभ' को साहित्य जगत में स्थापित करने के लिए निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगी।

प्रस्तुति : सुरेश चन्द्र 'सर्वहारा'
3 फ 22 विज्ञान नगर,
कोटा - 324005 (राज.)
मोबाइल : 9928539446

अंतर्मना आचार्यश्री 108 प्रसन्नसागरजी महाराज के सानिध्य में

कुंजवन बन गया नंदनवन

पुण्यार्जक

अंतर्मना धार्मिक एवं पारमार्थिक न्यास
अंतर्मना पद्मप्रभु गुरुभक्त परिवार

संवाददाता – नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल, नितेश पाटणी, अरुण चौगुले

जयपुर की विरासत के मार्ग पर चलकर श्रेष्ठ व बेहतर जयपुर का संकल्प लेंगे जयपुरवासी

जयपुर. शाबाश इंडिया

पिछली गहलोत सरकार में जयपुर के दो हिस्से करने के निर्णय के खिलाफ जयपुर के प्रबुद्धजनों ने मिलकर सुनील कोठारी के नेतृत्व मे ''म्हारो जयपुर-प्यारो जयपुर'' अभियान चलाकर जयपुर के दोनों नगर निगम की सीमा में आने वाले वार्डों को मिलाकर एक जयपुर जिला बनाए रखने का आंदोलन किया था। आंदोलन सफल हुआ और सरकार ने जयपुर को दो हिस्सों में बाँटने के निर्णय को वापस लेकर दोनों निगमों की सीमाओं को निर्धारित करते हुए एक जिला बनाने की घोषणा की थी। इस अभियान के संयोजक सुनील कोठारी ने बताया कि आंदोलन के दौरान सांगा बाबा के मंदिर में महाआरती के दौरान मैंने सभी साथियों के साथ यह संकल्प लिया था कि यदि सरकार द्वारा जयपुर के दो हिस्से करने के निर्णय को वापस ले लिया जाता है, तो वे इस अभियान से जुड़े लोगों और जयपुर वासियों के साथ सांगानेर के सांगा बाबा मंदिर से आमेर की शिला देवी मंदिर तक पैदल यात्रा और शिला माता मंदिर में महाआरती करेंगे। तत्कालीन गहलोत सरकार के यह निर्णय वापस लेने के बाद से यह यात्रा व्यस्तताओं के चलते पूरी नहीं कर पा रहे थे जिसे अब इस अभियान से जुड़े लोग और आम नागरिकों के साथ मिलकर रविवार, दिनांक 4 फरवरी को प्रातः 6 बजे सांगा बाबा मंदिर सांगानेर से शुरू कर शाम 6 बजे आमेर की शिला माता मंदिर में महा-आरती कर पूर्ण करेंगे। कोठारी ने बताया कि यह यात्रा 28 किलोमीटर की होगी। यात्रा सांगनेर से प्रारम्भ होकर एसएमएस स्टेडियम स्थित शहीद स्मारक पर पहुँचेगी और वहाँ पुष्पांजलि कर आगे बढ़ते हुए चाँदपोल हनुमान जी के मंदिर पहुंचेगी। मंदिर में हनुमान जी के दर्शन कर यह यात्रा सिटी पैलेस स्थित जलेबी चौक पर पहुँचकर वहाँ यात्रा में शामिल लोग भोजन और अल्प विश्राम करेंगे। विश्राम के बाद यात्रा यहाँ से प्रस्थान होकर सीधे आमेर शिला माता मंदिर पहुँचेगी जहां 500 दीपकों के साथ महाआरती कर इस अभियान को पूर्ण करेंगे और संकल्प लेंगे कि जयपुर को श्रेष्ठ जयपुर बनाने के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। **निम्न लोग उपस्थित रहेंगे:** सुनील कोठारी, विमल अग्रवाल, धनंजय सिंह, राजेन्द्र शेखावत, अमिताम हीरावत, राजकुमार शर्मा, विष्णु जायसवाल, सुनील व्यास, ब्रज किशोर शर्मा, भास्कर, विक्रम सिंह परिहार, वर्तिका सैन, आनन्द राठौड, सुनील कुमावत, सुनील यादव, महेन्द्र पंवार, परमेश्वर सारस्वत, रविन्द्र पालीवाल, कमल मिश्रा, ज्योति कोठारी, गिरधारी कुमावत, मानसिंह देवडा, अनिल पारीक, ललित पारीक, आशीष शर्मा, इन्द्र चौपडा, धर्मेन्द्र राठौड, शैलेश शाह, रवि प्रजापत, पंडित राजेन्द्र शर्मा, जुगल शर्मा, संजय किशोर अग्रवाल, प्रमोद झा, विनोद मल्होत्रा, सुभाष शर्मा, गोपाल सिंह शेखावत, मुनिया दीक्षित, हितेन्द्र शेखावत, सुरेश भारद्वाज, प्रभात कुमार शर्मा, मनोज पाटनी, डॉ. अविनाश शर्मा, शशिकान्त जोशी, इमरान, मो. अफसार, दीपसिंह रावत, राजेन्द्र अग्रवाल, तरूण शर्मा, अशोक कुमार जैन, नरेश ओसवाल, दीपक, गौरी कुमावत, विनोद, अशोक, अश्विनी हीरावत, व्यास, मदन मोहन शर्मा, रामजी लाल, परमेश्वर लाल सारस्वत, राकेश अग्रवाल, नरेश ओसवाल, राकेश शर्मा, सोहन बडोदिया आदि।

मेगा मेडिकल चेकअप कैंप में मरीज हुए लाभान्वित

इनर व्हील क्लब कोटा नॉर्थ द्वारा किया गया आयोजित

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनरव्हील क्लब कोटा नार्थ द्वारा गीता भवन में निशुल्क चेक अप कैंप लगाया गया जिसमे जनरल चेक अप, आंख, नाक, कान, गला सभी के लिए डॉक्टर्स ने चेकअप किया और मुफ़्त दवाएं भी उपलब्ध करवाई क्लब कॉर्डिनेटर मधु बाहेती एवम सरिता भूटानी ने बताया की ई एन टी स्पेशलिस्ट डॉ. विक्रांत माथुर, दंत चिकित्सक डॉ. शशांक शर्मा, डॉ. शेफाली शर्मा ने 150 रोगियों का चेकअप किया। अध्यक्ष अर्चना माथुर, सचिव डॉ. विजेता गुप्ता ने बताया कि गीता भवन में आने वाले सभी लोगो का जनरल चेकअप करके मरीज को सात दिन की मुफ्त दवाइयां भी दी, होम्योपेथिक चिकित्सक डॉ. विजेता, डॉ. वीनू बावेजा ने लगभग 200 मरीजों का चेकअप किया। कैंप डायरेक्टर संगीता विजय, नीता सिंह गौर, शशि झावर, रजनी गोयल, अनिता शर्मा, सरोज गुप्ता, सुशीला मित्तल ने केम्प में मौजूद रहकर आने वाले मरीजों की समझाइश की गीता भवन के मैनेजर अशोक शर्मा ने मेडिकल केम्प के संचालन में पूर्ण सहयोग किया सुनने की कम क्षमता वाले मरीजों को जरूरत के अनुसार क्लब की और से श्रवण मशीन भी उपलब्ध करवाई जाएगी । क्लब की और से मरीजों को भोजन भी करवाया गया ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

गणाचार्य पुष्पदंत सागर जी का महातीर्थ जिनशरणम के ऐतिहासिक पंचकल्याणक के लिए मंगल विहार

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। पुष्पगिरी तीर्थ से गणाचार्य पुष्पदंत सागर जी संसघ का आज 3 फरवरी मंगल विहार जिनशंरणम तीर्थ क्षेत्र के ऐतिहासिक भव्य पंचकल्याणक महोत्सव 17 फरवरी से 22 फरवरी तक होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव के लिए हुआ। पुष्पगिरी तीर्थ से दोपहर 12 बजे विहार हुआ ।राजेश जैन दद्दू ने कहा कि विहार में पुष्पगिरी तीर्थ परिवार पुलकमन्च परिवार इंदौर ओर गुरुभक्तों ने विहार में अपनी सहभागिता निभाई इस विहार में। आचार्य प्रज्ञा सागर जी ससंघ गणाचार्य श्री पुष्पदन्त सागर जी को पुष्पगिरी से बहुत दूर तक छोड़ने आये और वहाँ से मंगलमय बिदाई जिनशंरणम तीर्थ क्षेत्र के लिए हुई। इस अवसर पर पुलक मन्च परिवार इंदौर के प्रदीप बडजात्या, शिरीष जैन, महेंद्र निगोतिया, दिलीप लुहाड़िया भी विहार में शामिल रहे।

विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सभी को अपना शत-प्रतिशत देना होगा: उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

जयपुर. शाबाश इंडिया। आजादी के अमृत महोत्सव में 119 वां स्थापना दिवस ''धरोहर'' 'आजादी के साक्षी ' के सम्मान समारोह के रूप में मनाया जाना एक अद्भुत पहल हैं , दृश्य था एस.एस जी. पारीक कॉलेज एवं संबद्ध शिक्षण संस्थान, जयपुर का। इस अमृत बेला की शुरूआत मां सरस्वती की वंदना और मुख्य अतिथि के रूप में उपमुख्यमंत्री राजस्थान सरकार दीया कुमारी विशिष्ट अतिथि सांसद रामचरण बोहरा,विधायक सिविल लाइंस गोपाल शर्मा, के स्वागत सत्कार के साथ की गई। इस दौरान वरिष्ठजन सम्मान की श्रृंखला में बढ़ते हुए उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि पारीक कॉलेज जयपुर का एकमात्र हेरिटेज कॉलेज है जो निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। इसके विकास की गति को देखते हुए इसे विश्वविद्यालय बनाने की दिशा में प्रयास करना है। विशिष्ट अतिथि रामचरण बोहरा ने अपने संबोधन में कहा कि इस महाविद्यालय में उपस्थित होना सौभाग्य की बात है जहां इस तरह का वरिष्ठजन सम्मान एक अभूतपूर्व पहल है। पारीक कॉलेज में मेरे द्वारा पहले भी 25 लाख रुपए राशि प्रदान कर रिसेप्शन का निर्माण किया गया। इस हेरीटेज कॉलेज को विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए मैं अपनी हर संभव सहायता प्रदान करूंगा।

जयपुर व्यापार महासंघ के प्रमुख पदाधिकारियों की सभा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

आज एलएमबी होटल में जयपुर व्यापार महासंघ के प्रमुख पदाधिकारियों की एक मिटिंग हुयी। मिटिंग में जयपुर शहर की समस्याओ के बारे में विचार विर्मश किया गया। जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल व महामंत्री सुरेन्द्र बज ने बताया कि आज मिटिंग में सभी उपस्थित पदाधिकारीयो ने इस बात पर गहरा आक्रोष व्यक्त किया कि व्यापारीयो की मुद्धो की सुनवायी व निराकरण नही हो रहा है। हेरिटेज के बाजारो में ईरिक्शा की बहुल्यता के कारण यातायात में जाम की स्थिति बनी रहती है। मेट्रो प्रशासन द्वारा बार बार आश्वासन दिये जाने के बावजूद भी खंदो में व मेट्रो खंदो के नीचे अभी तक नागरिक सुविधाओ का अभाव है। अतिक्रमण बाजारो की बहुत बड़ी समस्या है ठेले खड़े रहते है इनका स्थाई समाधान नही किया जा रहा है नांन वेडिंग जोन में भी ठेले नही हटाये जा रहे है। पार्किंग के नियमो का ठेकेदार द्वारा पालन नही किया जा रहा है। रामनिवास पार्किंग से रूई मंडी जौहरी बाजार एवं रामलीला मैदान तक अण्डरग्राउन्ड सब-वे लिंक बनाने की बात हो चुकी है परन्तु अभी तक कोई निर्माण नही हुआ है। इन सभी समस्याओ सहित व अन्य समस्याओ पर मुख्यमंत्री , उपमुख्यमंत्री ,जयपुर के सांसद व नव निर्वाचित जयपुर के सभी विधायको , मुख्य सचिव राजस्थान सरकार ,जयपुर के दोनो नगर निगम के मेयर, जेडिए आयुक्त , व मेट्रो प्रशासन को समस्याओ के शीध्र निराकरण हेतु जयपुर व्यापार महासंघ द्वारा पत्र भेजा जायेगा । 15 फरवरी को तक समस्याओ का निराकरण नही होने पर जयपुर व्यापार महांसघ द्वारा बड़ी चौपड़ पर व्यापारीयो का धरना दिया जायेगा। धरने के संयोजक कैलाश मित्तल को बनाया गया है। आज की बैठक में व्यापार महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केडिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सेनी, कोषाध्यक्ष सोभागमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष प्रकाश सिंह, मिन्तर सिंह राजावत, सचिन गुप्ता,भूपत राय कांटेवाला,सलाहकार राजेंद्र गुप्ता मंत्री अतुल गांधी एवं अजय अग्रवाल व अन्य प्रमुख पदाधिकारियों ने अपने सुझाव रखे।

रवि के गीतों से बना प्यार का मौसम

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज रवि जोसफ के गीतो से संगीत का ऐसा मौसम बना की सर्द हवा में गर्मी का एहसास होने लगा। नेट थियेट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि कार्यक्रम मे युवा गायक, संगीतकार, गीतकार, रवि जोसफ ने अपने कंपोजीशन व लिखे हुए नगमे.. मासुम सि इन आखों मे ,तेरी याद आने लगी हे सुनाया तो युवाओं के दिल धड़कने लगे। उसके बाद उन्होंने साजन से लगा मन , तेरे सपने मेरे अपने, जेसे खुबसूरत नगमो को अपनी सुरीली आवाज में प्रस्तुत कर दर्शको की वाह वाह पाई। रवि के गीत युवाओं को खास तौर पर बहुत पसंद आये। कार्यक्रम का संचालन वायलिन के सरताज गुलजार हुसैन ने किया। कैमरा एवं प्रकाश मनोज स्वामी संगीत सागर गढ़वाल और मंच सज्जा जीवितेश शर्मा की रही।

संत शिरोमणि विद्यासागर जी महाराज के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हेतु णमोकार महामंत्र जाप अनुष्ठान होगा

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

प्रतापनगर। श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रतापनगर सेक्टर 8 जयपुर में धर्म जाग्रति महिला के तत्वावधान में आचार्य श्री संत शिरोमणि विद्यासागर जी महाराज के स्वास्थ्य लाभ हेतु साज बाज के साथ णमोकार महामंत्र का जाप आज 4 फरवरी को सायंकाल 8 बजे से 9 बजे तक किया जाएगा शांतिनाथ युवा मंडल अध्यक्ष त्रिलोक जैन ने बताया कि धर्म जाग्रति महिला मंडल ने आर्यिका विषेशमती माताजी को श्रीफल भेट किया साथ ही णमोकार महामंत्र के बारे में जानकारी दी। माता जी के सानिध्य में णमोकार महामंत्र एवं महाआरती कर कार्यक्रम का समापन होगा।

ऐलनाबाद खंड के गांव तलवाड़ा खुर्द के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए शुरू होगी परिवहन व्यवस्था

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्कूल प्रबंध समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में समिति अध्यक्ष ख्याली राम और अन्य सदस्यों ने भाग लिया। विद्यालय प्रधानाचार्य राहुल कस्वां ने बताया कि जल्द ही विधार्थियों को सुरक्षित लाने और ले जाने हेतु निःशुल्क परिवहन प्रारंभ किया जायेगा। ए बी आर सी नेहा रानी ने समिति सदस्यों की भूमिका और जिम्मेदारियां, विद्याजलि, नामांकन और विद्यार्थियों की उपस्थिति बढ़ाने पर चर्चा की। बैठक में ग्राम पंचायत की और से सरपंच प्रतिनिधि भीमसेन साँई और एस एम सी नॉमिनी रोहिताश निनानीया शामिल हुए। मीटिंग के बाद एस एम सी सदस्यों ने मिड डे मील और कक्षाओं का निरीक्षण किया । प्रधानाचार्य राहुल कस्वां और समाजसेवी भीमसेन साँई की प्रेरणा से एस एम सी सदस्य और शनि मन्दिर पुजारी नवल किशोर ने विद्यालय को वॉटर कूलर प्रदान करने की घोषणा की। इसी कड़ी में विद्यालय परिसर के रंग करवाने और खेल मैदान के शौचालयों को शुरू करवाने हेतु ग्राम पंचायत ने सहमति प्रदान की। इस अवसर पर हरनेक सिंह, भादर राम, कृष्ण कुमार, पुरुषोत्तम, हितीअभिलाषी, मुकेश भाम्भू, गुरतेज सिंह आदि उपस्थित थे।

विश्व कैंसर दिवस 4 फरवरी पर विशेष

हर साल कैंसर से होती हैं लाखों मौतें

कैंसर के लक्षण, कारण और बचाव के तरीके: डॉ. राजेश जैन

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। विश्व कैंसर दिवस 2024: विश्व कैंसर दिवस, जो हर साल 4 फरवरी को मनाया जाता है, उसका उद्देश्य लोगों को कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के प्रति जागरूक करना है। यह दिन 2000 में विश्व शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान स्थापित किया गया था। कैंसर, जो एक गंभीर और जानलेवा स्वास्थ्य समस्या है, वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहा है, जिसके कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो रही है। 2022 में ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज के अनुसार, 20 मिलियन नए कैंसर के मामले और 9.7 मिलियन मौतें हुईं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम की रिपोर्ट के अनुसार, देश में कैंसर के मामलों की संख्या 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है। भारत में कैंसर से मरने वालों की दर विकसित देशों से लगभग दोगुनी है, और हर 10 कैंसर मरीजों में से सात की मौत हो जाती है।

ऐसे लोगों में कैंसर का खतरा अधिक

कैंसर का खतरा उन लोगों में अधिक हो सकता है जिनमें कुछ खराब आदतें हैं, जैसे कि धूम्रपान और अत्यधिक शराब का सेवन, धुएं में मौजूद केमिकल और पराबैंगनी किरणों के संपर्क का। बढ़ता हुआ मोटापा और असुरक्षित यौन संबंध भी कैंसर के खतरे को बढ़ा सकते हैं। आनुवांशिकी भी एक मुख्य जोखिम है, और जिन लोगों के परिवार में पहले से किसी को कैंसर हुआ है, उनमें कैंसर होने का खतरा अधिक हो सकता है। कुछ लोग मानते हैं कि सिर्फ गुटखा, तम्बाकू, और सिगरेट का सेवन करने वाले को ही कैंसर हो सकता है, लेकिन आजकल के समय में फास्ट फूड और उसमें इस्तेमाल होने वाले केमिकल्स से भी कैंसर का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा, प्लास्टिक का अधिक उपयोग भी आजकल कैंसर की सबसे बड़ी वजहों में से एक माना जाता है। गरम चीजों को प्लास्टिक की प्लेट या बॉक्स में रखकर और उन्हें खाने से कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। कैंसर के इलाज के लिए विभिन्न तरीके हैं, जिनमें सर्जरी, कीमोथेरेपी, रेडियेशन थेरेपी, और टारगेटेड थेरेपी शामिल हो सकती हैं। आधुनिक मेडिकल रिसर्च और तकनीक ने कैंसर के इलाज में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन कैंसर का पूरी तरह से इलाज अब तक मौजूद नहीं है। इसलिए, बचाव और जागरूकता महत्वपूर्ण हैं, और लोगों को नियमित रूप से स्क्रीनिंग टेस्ट्स और जाँचों के लिए उत्साहित किया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, समय पर अगर कैंसर का निदान हो जाए तो इसका उपचार और रोगी की जान बचने की संभावना बढ़ जाती है। कैंसर के कई उपचार उपलब्ध हैं। कैंसर का प्रकार और अवस्था जैसी स्थितियों के आधार पर दवाओं, थेरेपी, सर्जरी के माध्यम से इसका इलाज किया जाता है। आयुर्वेदिक चिकित्सा में उपयोग होने वाली कुछ हेर्बल मेडिसिन और आहार से भी कैंसर के खिलाफ लड़ा जा सकता है, जैसे सदाबहार: इसमें कैंसररोधी तत्व पाए जाते हैं, टमाटर : इसमें कैंसररोधी बीटा कैरोटीन व लाइकोपीन तत्व पाए जाते हैं। एक शोध के अनुसार ज्यादा टमाटर खाने से प्रोस्टेट कैंसर का होने का खतरा लगभग 45 प्रतिशत तक कम हो जाता है, हरिद्रा : करक्यूमिन हल्दी में मुख्य रसायन है और कैंसर कोशिकाओं के विकास और प्रसार की रोकथाम में बहुत प्रभावी माना जाता है। इसके अतिरिक्त, हल्दी को कैंसर रोगियों में जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए जाना जाता है, गुडूची : गिलोय का उपयोग आमतौर पर आयुर्वेदिक दवाओं में इसके इम्यूनोमॉड्यूलेटरी और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के लिए किया जाता है। शोध बताते हैं कि गिलोय में एंटीकैंसर गुण होते हैं, जो कि कैंसर कोशिकाओं में एपोप्टोसिस को प्रेरित करने की क्षमता। इसके अलावा, यह ट्यूमर के विकास को रोकता है और मेटास्टेसिस के जोखिम को कम करता है, त्रिफला : इसमें आमलकी हरीतकी व विभीतक के चूर्ण होता है। इसमे पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट ट्यूमर और कैंसर की कोशिकाओं से लड़ने में भी बहुत प्रभावी है, कालमेघ : यह कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करता है और प्रभावी रूप से नष्ट कर सकता है। कालमेघ का अर्क मानव प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है। इसके अलावा, यह विभिन्न प्रकार के कैंसर पैदा करने वाले और रोगजनक एजेंटों के खिलाफ अच्छी तरह से काम करता है, अश्वगंधा : झरोग के लक्षणों, निदान और इसके उपचार के जटिल रूपों के कारण कैंसर रोगियों में बहुत अधिक तनाव होता है। इसके अलावा, बीमारी की पुनरावृत्ति का डर एक प्रमुख कारक हो सकता है जिससे अवांछित तनाव हो सकता है। यही कारण है कि कई रोगी तनाव उपचार के लिए दवाओं के विकल्प तलाश रहे हैं। इसके लिये अश्वगंधा क प्रयोग बहुत लाभदायक है, आमलकी/आंवला: शोधकताओं के अनुसार आंवला के अर्क का सेवन कैंसर के विकास को रोकने में करता है। यह ढाल बनाने वाले सेलुलर डीएनए संरचना के स्तर को नुकसान को सीमित करता है और रोकता है, गोमूत्र: गोमूत्र के रोजाना सेवन करने से कैंसर के कोश नष्ट होते हैं। गोमूत्र के अर्क के सेवन का असर कैंसर से प्रभावित हिस्से पर होता है ।

(उपरोक्त किसी भी दवा का सेवन अपने चिकित्सक की सलाह से ही लें ।)

200 वाँ स्थापना दिवस, कलशारोहन,ध्वजारोहण,श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ का आयोजन शुरू

आर्यिका नंदीश्वरमति माताजी ससंघ के सानिध्य में मंडा भीमसिंह 6 दिवसीय धार्मिक आयोजन

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया

भैंसलाना। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम मंडाभीमसिंह में 200 वाँ स्थापना दिवस, कलशारोहन, ध्वजारोहण,श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ आर्यिका गुरु मां नंदीश्वरमति माताजी के सानिध्य में 6 दिवसीय धार्मिक आयोजन शनिवार को शुरू हुआ।सुबह अभिषेक,शांतिधारा, देवाज्ञा, सकलीकरण,इंद्रप्रतिष्ठा, जापयानुष्ठान,झंडारोहण,दीप प्रज्जवलित,नांदी विधान, घटयात्रा,मंडप उद्घाटन,मंडप शुद्धि,कलश शुद्धि,ध्वजाशुद्धि संस्कार जिसके बाद मंडल में श्रीजी विराजमान, अभिषेक, शांतिधारा,1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ महामंडल विधान पूजन, 1008 श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान का शुभारंभ,मंगलाचरण,चित्र दीप प्रज्जवलन,अनावरण,आर्यिका माताजी के पाद प्रक्षालन,शास्त्र भेंट,आशीर्वचन आदि धार्मिक कार्यक्रम आयोजन हुआ। वही शाम को महाआरती, मंगलाचरण, भक्ति संध्या का आयोजन हुआ।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया करेंगे जनप्रतिनिधियों का सम्मान

जैन विधायको का समाज करेगी अभिनन्दन, जैन समाज की बैठक में दिया कार्यक्रम को अंतिम रूप

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

दो हजार तेईस विधान सभा चुनाव में मध्यप्रदेश में चुने गए जैन विधायको का सम्मान केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के मुख्य अतिथि में 04फरवरी को शाम सात बजे सुभाष गंज मैदान में श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी एवं सकल दिगम्बर जैन

समाज के तत्वावधान में सम्मान समारोह में किया जायेगा ।इस हेतू श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी की बैठक वर्धमान धर्मशाला में की गई।

सिंधिया के मुख्य आतिथ्य में होगा समारोह

जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने बताया कि जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल की अध्यक्षता में महामंत्री राकेश अमरोद ने केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के मुख्य आतिथ्य होने वाले समारोह की सभी तैयारियो की रूपरेखा प्रस्तुत की बैठक में पहुंचे पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी ने इस दौरान सभी को अपना मार्गदर्शक प्रदान करते हुए कहा कि ये कार्यक्रम जैन समाज का है और जिस प्रकार भी आप तय कर रहे उसी के अनुसार सभी तैयारियां आप लोगों को करके प्रशासन को सूचना भर देना है।

चुलगिरी अतिशय क्षेत्र में हुआ भक्ति भाव से शांति विधान

11किलो चांदी से निर्मित मंडल पर किया गया विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र चुलगिरी, खानिया जी आगरा रोड पर 11किलो चांदी से निर्मित मंडल पर भक्ति भाव से संगीतकार पंडित प्रकाश जैन के सानिध्य में शांति विधान पूजन का आयोजन किया गया। उअ हेमन्त जैन ने बताया कि यह चांदी का मंडल विधान दश लक्षण पर्व के अवसर पर अतिशय क्षेत्र में पूजन करने वाले श्रावको द्वारा भक्ति भाव से चढ़ाया गया हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार व क्षेत्र के अध्यक्ष प्रवीण जी छाबड़ा, सुदीप सोनी, विजय सोगानी, नरेंद्र बाकलीवाल, शांति पाटनी, संजय जैन, भागचंद बोहरा, प्रदीप बाकलीवाल, श्रीमती शीला डोडया आदि अनेक श्रेष्ठि श्रावक उपस्थित थे।

जेके फाउंडेशन का 5 वाँ विशाल रक्तदान शिविर, बहु चिकित्सकीय परामर्श शिविर रविवार, 11 फरवरी 2024 को

जयपुर. शाबाश इंडिया। जेके फाउंडेशन का 5 वाँ विशाल रक्तदान शिविर, बहु चिकित्सकीय परामर्श शिविर रविवार, 11 फरवरी 2024 को प्रातः 8:00 से सांय 4:00 बजे तक महात्मा ज्योतिबा फुले सी. सै. स्कूल, आनन्दा सिटी के पास, रेलवे स्टेशन के सामने, सांगानेर , जयपुर (राज.) 302029 पर आयोजित किया जायेगा। ''रक्तदाता प्रेरक'' बनकर जरुरतमंदों की मदद के लिए हाथ बढ़ाये। जेके फाउंडेशन द्वारा रविवार 11 फरवरी को होने वाले 5 वें विशाल रक्तदान शिविर में कोई भी ''रक्तदाता प्रेरक'' बन सकता है । इसके लिए अपने परिवार, मित्रों, रिश्तेदारों को प्रेरित कर शिविर में रक्तदान के लिए 5 या उससे अधिक रक्तदाताओं को लाने की जिम्मेदारी लेनी होगी। रक्तदाता प्रेरको (जो 5 या उससे अधिक युनिट रक्तदान करवाने वाले) को संस्था सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया जायेगा। शिविर में सभी रक्तदाताओं को संस्था की तरफ से यातायात अवेयरनेस कार्यक्रम के अंतर्गत हेलमेट व प्रसंशा पत्र भेंट किया जायेगा। रक्तदाता प्रेरको के नाम, पद/व्यवसाय व मोबाइल नम्बर को कार्यक्रम के पोस्टर में प्रकाशित किया जा रहा है । यदि आप भी रक्तदाता प्रेरक बनकर पोस्टर में अपना विवरण लिखवाना चाहते है तो अपना विवरण व एक फोटो भेजकर कॉल करे । उसके बाद सोशल मीडिया के लिए सभी रक्तदाता प्रेरको के फोटो सहित व्यक्तिगत पोस्टर भी तैयार कर सेंड कर दिये जायेंगे। **संपर्क करेः** पत्रकार विनोद टाटीवाल ,संस्थापक अध्यक्ष, जेके फाउंडेशन मोबाइल 8562884115 । कैलाश चन्द व. उपाध्यक्ष, जेके फाउंडेशन 9799120847, हेमराज टाटीवाल संरक्षक, जेके फाउंडेशन एवं सदस्यः जयपुर नगर निगम ग्रेटर 9610357373